देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 04.12.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने संसद के शीतकालीन सत्र में चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की।
- कृषि मंत्री गणेश जोशी ने काशीपुर स्थित औद्यानिक परीक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण किया। विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों के उत्पादन की प्रगति की जानकारी ली।
- देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने निर्माणाधीन ग्रीन बिल्डिंग के कार्यों को निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।
- यातायात नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संभागीय परिवहन कार्यालय, देहरादून ने अभियान तेज किया।

गौरा देवी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने संसद के शीतकालीन सत्र में चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की। उन्होंने उच्च सदन में गौरा देवी के पर्यावरण संरक्षण में दिए अतुलनीय योगदान को याद किया। उन्होंने सदन में कहा कि गौरा देवी उत्तराखंड के सीमांत चमोली जिले की जोशीमठ विकासखण्ड के रैणी गांव की ग्रामीण महिला थी, जिन्होंने अपने जीवन काल में पर्यावरण संरक्षण के लिए चिपको आंदोलन की शुरुआत की थी। श्री भट्ट ने कहा कि चिपको आंदोलन ने देश में पर्यावरण संरक्षण को बड़ा मुद्दा बना दिया। ये आंदोलन भारत के हिमाचल, कर्नाटक, राजस्थान और बिहार राज्यों तक फैल गया। इस आंदोलन का ही परिणाम रहा कि तत्कालीन केंद्र सरकार ने 15 सालों तक हिमालयी राज्यों में पेड़ कटान को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया।

गणेश जोशी

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर स्थित औद्यानिक परीक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने उद्यान में विकसित विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों के उत्पादन की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि राजकीय प्रजनन उद्यान, काशीपुर में आम, अमरूद, लीची, अनार, नीबू सहित विभिन्न पौध प्रजातियों के ग्राफ्टेड पौधे तैयार किए जाते हैं। उद्यान में आम की रंगीन प्रजातियां तैयार की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि उद्यान में आलू को ब्रीडर सीड से फाउंडेशन सीड में विकसित किया जाता है, जबकि किसानों को प्याज पौध बिना लाभ–हानि के आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। इस दौरान कृषि मंत्री जोशी ने आलू फॉर्म का भी अवलोकन किया और वहां अपनाई जा रही उन्नत कृषि तकनीकों की सराहना की।

आईआईटी रूड़की

आईआईटी रूड़की ने जैविक द्रव अपशिष्ट के उत्प्रेरक अधितापीय गैसीकरण के माध्यम से हाइड्रोजन–समृद्ध गैस निर्माण से संबंधित अत्याधुनिक तकनीक को इनफिनेट इंटिग्रटिड एनर्जी टेक्नोलोजीज एलएलपी को सफलतापूर्वक हस्तांतरित किया है। यह कदम सतत अपशिष्ट से ऊर्जा समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यह तकनीक प्रोफेसर एन. शिवा मोहन रेड्डी द्वारा विकसित की गई है। यह प्रणाली बड़े पैमाने और व्यावसायिक उपयोग के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यह नवाचार अपशिष्ट प्रबंधन, हाइड्रोजन प्राप्ति और कार्बन–पदचिह्न में कमी के लिए एक टिकाऊ समाधान प्रस्तुत करता है। प्रोफेसर एन. शिवा मोहन रेड्डी ने कहा कि हमारा अनुसंधान प्रक्रिया–दक्षता को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ जोड़ने पर केंद्रित है। यह तकनीक दर्शाती है कि जैविक द्रव अपशिष्ट से हाइड्रोजन को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सकता है, जो देश के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में सहायक है। आईआईटी रूड़की के निदेशक, प्रोफेसर के.के पंत ने कहा कि अपशिष्ट से हाइड्रोजन नवाचार स्वच्छ ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संस्थान के योगदान का उत्कृष्ट उदाहरण है।

ग्रीन बिल्डिंग निरीक्षण

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्मार्ट सिटी लिमिटेड परियोजना के तहत निर्माणाधीन ग्रीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण स्थल पर उपलब्ध सभी सुविधाओं, सामग्री, श्रमिकों की संख्या और कार्य गति का विस्तृत अवलोकन किया। ग्रीन बिल्डिंग की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने कार्यों को निर्धारित समय सीमा जून– 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा न होने की स्थिति में विभागीय स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता, पर्यावरण अनुकूल तकनीक और सुरक्षा मानकों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कार्य प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

आरटीओ देहरादून

यातायात नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संभागीय परिवहन कार्यालय, देहरादून ने अभियान तेज कर दिया है। आरटीओ प्रवर्तन अनीता चमोला ने बताया कि अभियान के तहत जिले में चालानी कार्यवाही की जा रही है। साथ ही वाहनों को भी सीज किया जा रहा है, ताकि सड़क हादसों पर रोक लगाई जा सके।

बोर्ड परीक्षा तैयारी

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने इस सत्र में बोर्ड परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों की सूची जारी करते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों का चयन करने के आदेश दिए हैं। ऊधमसिंहनगर जिले में इस बार पिछले साल की तुलना में अधिक छात्र छात्राएं परीक्षा देंगे। इस सत्र में हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा में 10 हजार 506 बालक और 10 हजार 856 बालिकाएं शामिल होंगी। इसी तरह इंटरमीडिएट में भी

छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक रहेगी। मुख्य शिक्षा अधिकारी के.एस रावत ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के लिए केंद्र निर्धारण की कवायद चल रही है। उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए जिले में कुल 110 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

मार्ग निरीक्षण

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने भटवाड़ी विकासखंड में निर्माणाधीन यूजीटी से कुरोली वाया बोंगाडी मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी उन्होंने किए जा रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मार्ग निर्माण को तय नियमों और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्ग के निर्माण और चौड़ीकरण मूलभूत सुविधाओं की पहुंच आसान हो जाएगी। गौरतलब है कि लगभग छह किलोमीटर लम्बे इस मार्ग का निर्माण पीएमजीएसवाई द्वारा किया जा रहा है।